भजन

तर्ज–महबूब मेरे तूं है तो दुनिया

महबूब मेरे माशूक मेरे,
तू रूबरू है तो रूह सुख पाए
जो तू नहीं तो तसव्वुर तेरा हाय
1– लेते थे कायम सुख जो धाम में हाय
कहां है वह कायम मस्ती धाम की हाय
बेबसी पे रूहों की क्यों आती है हंसी
2– नयना तेरे मद भरे मय के प्याले
मोमिन इनमें डूबें रहें होके मतवाले
डूब के फिर न निकले रहें इनमें गर्क हैं
3– सितम जुदाई का जो किया,होंठ सी लिए
तूने हमको तड़पाया अश्क पी लिए
धनी हुकम भी तुम खुद हो,अपना कुछ भी तो नहीं है
4– तड़पाना दिलबर मेरे है ये अदा तेरी
फिर भी फिदा रूहें तुझपे यह है मेहर तेरी
तेरी हर एक अदा पे रुहें दिल से फिदा हैं